संगीता शंकर

अकादेमी पुरस्कारः
हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (वायलिन)

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 12 अगस्त 1965 को जन्मी, श्रीमती संगीता शंकर संगीतकार परिवार से आती हैं। आपने अपनी माँ और गुरु एन. राजम से हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (वायलिन) का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपका सम्बंध ग्वालियर घराने से है।

श्रीमती संगीता शंकर ने देश–विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है और बहुत से छात्रों को वाद्य संगीत का प्रशिक्षण भी दिया है।

हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सन् 2020 में बीएचयू अलम्नाइ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त भी आपको कई उपाधियाँ और पुरस्कार मिल चुके हैं।

श्रीमती संगीता शंकर को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (वायलिन) में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEETA SHANKAR

Akademi Award:
Hindustani Instrumental Music (Violin)

Born on 12 August 1965 at Varanasi in Uttar Pradesh in a family of musicians, Shrimati Sangeeta Shankar received her training in Hindustani instrumental music – Violin from his mother and guru N. Rajam. She belongs to the Gwalior gharana.

Shrimati Sangeeta Shankar has performed at many prestigious music festivals in India and abroad. She has conducted many seminars and workshops on music in India and abroad, and has trained many students.

For her contribution in the field of Hindustani instrumental music, she has been honoured with many prestigious titles and awards including the BHU Alumni Award conferred by the Banaras Hindu University in 2020.

Shrimati Sangeeta Shankar receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for her contribution to Hindustani instrumental music.